श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 194, पृष्ठ 4 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

संध्या कालीन | नगर संस्करण | प्रयागराज | गुरूवार 08 जुलाई 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसांधन संस्थान की एक अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए ''क्रियायोग अभ्यास करें'' सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप ''अहंब्रह्मास्मि'' की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

कैबिनेट विस्तार में 43 मंत्रियों ने ली शपथ

नई टीम के बाद पीएम मोदी का 'गवर्नमेंट फॉर ग्रोथ' का नारा, मंत्रियों को यूं दी शुभकामनाएं

हर्षवर्धन, निशंक, रविशंकर, जावड़ेकर सहित मोदी कैबिनेट से बाहर हुए 12 चेहरे

राष्ट्रपति के प्रेस सचिव के हवाले से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, जिन मंत्रियों का इस्तीफा स्वीकार किया गया है, उनमें सदानंद गौड़ा, रविशंकर प्रसाद, थावरचंद गहलोत, रमेश पोखरियाल निशंक, डा हर्षवर्द्धन, प्रकाश जावड़ेकर, संतोष कुमार गंगवार शामिल है। रविशंकर प्रसार के पास कानून मंत्रालय के साथ साथ सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय था।

मोदी मंत्रिपरिषद विस्तार में यूपी के जातिगत समीकरण साधने का प्रयास, ओबीसी दलितों को प्रमुखता

सांसद सत्यपाल सिंह बघेल इस बार अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित आगरा संसदीय क्षेत्र से भाजपा के सांसद चुने गये। इसके पहले वह 2017 में फिरोजाबाद की टूंडला सीट से विधानसभा के लिए चुने गये और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली राज्य सरकार में मंत्री भी रहे।

कैबिनेट विस्तारः रविशंकर प्रसाद और प्रकाश जावड़ेकर ने दिया इस्तीफा

रविशंकर प्रसाद और प्रकाश जावड़ेकर ने भी अपना इस्तीफा दे दिया है। इससे पहले शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्द्धन, रसायन एवं उर्वरक मंत्री सदानंद गौड़ा, श्रम एवं रोजगार मंत्री संतोष कुमार गंगवार, शिक्षा राज्य मंत्री संजय धोत्रे, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री देवश्री चौधरी के भी इस्तीफे की खबर सामने आई थी।

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैबिनेट में बड़े फेरबदल और विस्तार के बाद अपनी सरकार को विकास के लिए समर्पित बताया है। पीएम मोदी ने क्ष्उद्न्4ेद्रैप् हैशटैग से गिए गए ट्वीट में बुधवार को मंत्री पद की शपथ लेने वाले नेताओं को शुभकामनाएं दी तो यह भी कहा कि उनकी सरकार लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए काम करती रहेगी। पीएम मोदी ने ट्वीट किया, ''मैं आज शपथ लेने वाले सभी साथियों को बधाई देता हूं और उनके मंत्री पद के कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देता हूं। हम लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए काम करते रहेंगे और एक मजबूत और समृद्ध भारत बनाएंगे। गृहमंत्री अमित शाह ने भी मंत्रियों को बधाई देते हुए क्ष्उद्न्4ेद्रैप् का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा, ''मंत्रिपद की शपथ लेने वाले सभी साथियों को बधाई। मुझे विश्वास है कि पीएम नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पूरा मंत्रिमंडल पूर्ण निष्ठा और समपर्ण से सरकार की कल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देगा।''

केंद्रीय मंत्रिपरिषद में बुधवार को फेरबदल और विस्तार किया गया। इसमें हर्षवर्धन, रमेश पोखरियाल निशंक, रविशंकर प्रसाद, प्रकाश जावड़ेकर, डी वी सदानंद गौड़ा, संतोष गंगवार जैसे नेताओं की केंद्रीय मंत्रिमंडल से छुट्टी कर दी गई, जबकि मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनाने में मदद करने वाले ज्योतिरादित्य सिंधिया और शिव सेना से भाजपा में आए नारायण राणे को कैबिनेट मंत्री पद से नवाजा गया। मंत्रिपरिषद के इस विस्तार और फेरबदल में 36 नए चेहरों को शामिल किया गया है, जबकि सात वर्तमान राज्यमंत्रियों को पदोनन्त कर मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। सिंधिया और राणे सहित आठ नए चेहरों को भी कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल में आयोजित एक समारोह में मंत्रिपरिषद में शामिल किए गए सभी 43 सदस्यों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। प्रधानमंत्री के रूप में मई 2019 में 57 मंत्रियों के साथ अपना दूसरा कार्यकाल आरंभ करने के बाद मोदी ने पहली बार केंद्रीय मंत्रिपरिषद में फेरबदल व विस्तार किया है। कैबिनेट मंत्री के रूप में महाराष्ट्र से राज्यसभा के सदस्य नारायण राणे, असम के पूर्व मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री व मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ से सांसद वीरेंद्र कुमार, मध्य प्रदेश से राज्यसभा सदस्य ज्योतिरादित्य सिंधिया, जनता दल यूनाईटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सदस्य राम चंद्र प्रसाद सिंह, ओडि़शा से भाजपा के राज्यसभा सदस्य अश्विनी वैष्णव और लोक जनशक्ति पार्टी के पारस गुट के अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस ने शपथ ली।

यूपी के श्रावस्ती जिले को लेकर सीएम का महत्वपूर्ण आदेश, पुरस्कार देने का भी किया ऐलान

लखनऊ (एजेंसी)। राज्य सरकार के कोरोना के खिलाफ जंग के बेहतर परिणाम सामने आने लगे हैं। श्रावस्ती जिला पूरी तरह से कोरोना मुक्त हो चुका है। यहां पर अब एक भी संक्रमित मरीज नहीं है। प्रदेश के अन्य जिलों के अधिकारी इससे प्रेरणा लेकर अपने जिलों को संक्रमण मुक्त करें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को टीम-9 के साथ बैठक में अधिकारियों से कहा कि हमें कोरोना के खिलाफ इसी तरह जंग जारी रखनी होगी।

केसरवानी एण्ड सन्स
नोट- हमारे यहाँ मोबिल, पाइप, पेन्ट, सेनेट्री, हार्डवेयर, दरवाजा टाइल्स, समर सेबुल पम्प, चारा मशीन, बाथरूम फिटिंग इत्यादि उचित मूल्य पर प्राप्त करें।
अनुपम – 8318174147 अनमोल– 6388773491
जी0टी0 रोड, हनुमानगंज, प्रयागराज

प्रकाश हॉस्पिटल
स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 24 घंटे सेवा में तत्पर

निदेशक- डॉ. विजय बाबू यादव
(सदस्य जिला पंचायत)
Mob.: 8858487147
पता–भीरपुर करछना, प्रयागराज

ममता बनर्जी को भारी पड़ा केस से जज को हटाने की मांग करना, लगा 5 लाख रुपये का जुर्माना

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता हाई कोर्ट ने बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर एक केस से जज को हटाने की मांग करने पर 5 लाख रुपये का फाइन लगाया है। उन्होंने एक मामले में कोलकाता हाई कोर्ट के जज कौशिक चंद को हटाने की मांग की थी। ममता बनर्जी ने जज कौशिक चंद पर आरोप लगाया था कि उनके बीजेपी के साथ रिश्ते हैं। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख की अर्जी को खुद जस्टिस कौशिक चंद ने खारिज कर दिया था। हालांकि इस पूरे मामले से जुड़े लोगों का कहना है कि जस्टिस कौशिक चंद ने अपने व्यक्तिगत विवेक के आधार पर मामले की और सुनवाई नहीं करने का फैसला किया है। इसके अलावा मामले को अपनी पीठ से अलग कर दिया है।

दिलीप कुमार के निधन से शोक की लहर, मोदी-राहुल समेत कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार का बुधवार सुबह निधन हो गया है। काफी समय से सांस लेने में हो रही दिक्कत की वजह से वह बार-बार अस्पताल में भर्ती हो रहे थे। दिलीप कुमार को 30 जून को हिंदुजा अस्पताल में भर्ती कराया गया था जिसके बाद आज सुबह उनके निधन की खबर आई है। 98 साल के अभिनेता की मौत से पूरी फिल्म इंडस्ट्री दुखी है और देशभर के लोग सोशल मीडिया के जरिए उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। बॉलीवुड स्टार्स से लेकर देश के बड़े राजनीतिक नेता दिलीप कुमार को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। पीएम मोदी, राहुल गांधी, नीतिश कुमार समेत बड़े-बड़े नेता सोशल मीडिया के जरिए उनके निधन पर दुख व्यक्त कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने शोक जताया

पीएम मोदी ने भी दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार के निधन पर शोक व्यक्त किया। पीएम मोदी ने कहा , उन्हें एक सिनेमाई लीजेंड के रूप में याद किया जाएगा। पीएम ने कहा, ठउन्हें अद्वितीय प्रतिभा का आशीर्वाद प्राप्त था, जिसके कारण पीढि़यों के दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए थे। उनका निधन हमारी सांस्कृतिक दुनिया के लिए एक क्षति है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सबसे पहले दिलीप कुमार के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी परफॉर्मेंस को आने वाली पीढि़यों में याद किया जाएगा। राहुल गांधी ने ट्वीट किया,दिलीप कुमार जी के परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है। भारतीय सिनेमा में उनके असाधारण योगदान को आने वाली पीढ़ियों के लिए याद किया जाएगा।

बिहार के मुख्यमंत्री ने जताया दुख

बिहार के मुख्यमंत्री ने भी दिलीप कुमार के निधन पर दुख व्यक्त किया है। जाने-माने फिल्म अभिनेता दिलीप कुमार के निधन पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दुख जताते हुए कहा है कि फिल्म जगत के लिए यह बहुत बड़ी क्षति है।

GSTIN : 09AAFTM3349D1ZK
PAN-AAFTM3349D
Reg. No.: 1/2014
मिसकीन सेवा संस्थान ट्रस्ट
Misqeen Sewa Sansthan Trust
(इण्डियन ट्रस्ट एक्ट 1882 केअन्तर्गत पंजीकृत)
श्रमिको, मजलूमों, गरीबों अनाथो के सेवा में तत्पर
फाउण्डर प्रबन्धकः अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे पत्रकार/ग्राम प्रधान अल्हवा कोरांव, प्रयागराज
कार्यालय : माण्डा वाली रोड, कोरांव–प्रयागराज,
निवास ग्राम–अल्हवा, देवघाट, कोरांव–प्रयागराज 212306
Mob.: 9450613192
E-mail: miskeenss2014@gmail.com, sahjadekoraon@gmail.com

Reg. No. U01400UP2021PTC147142
स्थापना वर्ष – 2021
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS
शेषदुर्गा हर्बल
प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड
अश्वगंधा अकरकरा
प्रयागराज के किसानों से आग्रह है कि सुनहरे भविष्य के लिए औषधीय पौधों की खेती करके अपनी आय चार गुना ज्यादा बनाने के लिए कम्पनी की सदस्यता ग्रहण करें।
फाउण्डर आर. पी. पाण्डेय LL.B
ग्राम–कबरा, पोस्ट–डीहा, तहसील–करछना, प्रयागराज
रजि. कार्यालय–868/5 कृष्णा नगर, अरैल, नैनी, प्रयागराज
Mob.: 9935613506

सूफी आशिक बाबा
सभी समस्याओं का निःशुल्क समाधान के लिए संपर्क करें।
नोट : खोए हुए व्यक्ति को हर हाल में मिलाना, ऊपरी बाधा से परेशान और उसका नि:शुल्क समाधान कराना, वैवाहिक जीवन में समस्त कष्टों को दूर कराना, जिन पुरुष व युवती की शादी में किसी प्रकार का कोई रुकावट आ रहा है तो, उसका भी समाधान किया जाता है सभी समस्याओं का समाधान समय से कर दिया जाता है 30 वर्षो का अनुभव प्राप्त।
पताः एडीए कॉलोनी, पुलिस चौकी के पास, नैनी, प्रयागराज
मोबाइल नंबरः 9793403230, 9335128224

मोदी सरकार पर कांग्रेस का तंज-

यह मंत्रिपरिषद का नहीं, सत्ता की भूख का विस्तार है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी सरकार के मंत्रिपरिषद के विस्तार पर तंज कसा है। शपथ ग्रहण से कुछ घंटे पहले कांग्रेस ने कहा कि यह केंद्रीय कैबिनेट का नहीं, बल्कि 'सत्ता की भूख का विस्तार है। साथ में यह भी कहा कि अगर कामकाज और शासन को आधार बनाया जाए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कई मंत्रियों को पद से हटा दिया जाना चाहिए। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा, यह मंत्रिपरिषद का विस्तार नहीं, सत्ता की भूख का विस्तार है। अगर मंत्रिपरिषद का विस्तार हो तो वह कामकाज और शासन के आधार पर हो। सुरजेवाला ने दावा किया, अगर कामकाज के आधार पर फेरबदल हो तो सबसे पहले तो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री हर्षवर्धन को हटा दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को हटाना चाहिए जिन्होंने पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क की लूट के बोझ तले देश की जनता को दबा दिया।

उन्होंने यह भी कहा, खाद्य मंत्री को हटाया जाना चाहिए जिन्होंने देश को इस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया कि गरीब के लिए तो खाद्यान नहीं है जबकि शराब बनाने वाली इकाइयों को एक लाख टन चावल दिया जा रहा है। इनसे पहले वित्त मंत्री को हटाया जाना चाहिए जिन्होंने जीडीपी को नकारात्मक स्थिति में पहुंचा दिया।

कांग्रेस महासचिव ने दावा किया, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को हटाया जाना चाहिए।

कोरोना से ठीक हुए मरीजों में सामने आ रहे बोन डेथ के मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना से ठीक हुए मरीजों में अब ब्लैक फंगस के बाद बोन डेथ नाम की नई समस्या देखने को मिल रही है। कोरोना से ठीक होने के बाद मुंबई और दिल्ली में एवैस्कुलर नेक्रोसिस यानी बोन डेथ के कुछ मरीज सामने आए हैं। कोविड -19 से उबरने वाले कई मरीजों ने जोड़ों के दर्द की शिकायत की है, जिससे डॉक्टरों को चिंता बढ़ गई है। बोन डेथ के मामलों में मरीज को जोड़ो में दर्द महसूस होता है। म्यूकोर्मिकोसिस यानी ब्लैक फंगस के बाद अब बोन डेथ नाम की यह विनाशकारी समस्या कोरोना से ठीक हुए मरीजों में देखी जा रही है। हालांकि इसके बारे में कोई सरकारी डेटा नहीं है, लेकिन मुंबई और दिल्ली के अस्पतालों ने ऐसे कुछ मामलों की पुष्टि की है। अब सवाल यह है कि आखिर बोन डेथ नाम की इस बला में होता क्या है?

TVS
XL100
Jupiter
TVS Sport
Apache
Apache RTR
TVS Wego
Scooty Pep+
प्रो. शैलेन्द्र कुमार
चन्दा टीवीएस
नगद एवं फाइनेन्स की सुविधा उपलब्ध है।
जारी बाजार, प्रयागराज मो: 9721116002

साईं कृपा मेंस पार्लर
न्यू हेअर कट, हेअर स्ट्रेटिंग, हेअर पॅच/ विक, स्किन ट्रीटमेंट, हेअर स्पा, फायर कट मॉडेल मेकअप, नवरदेव मेकअपउ (पॅकेज)
पार्लर में काम करने के लिए अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है।
प्रो0 उमेश शर्मा
Mob.: 7860823593
पता त्रिवेणीपुरम नियर पानी की टंकी झूसी प्रयागराज

क्षेत्र पंचायत प्रमुख चुनाव

नामांकन आज,सपा-भाजपा आमने सामने

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। नवागत उपजिलाधिकारी बारा सौम्या गुरुरानी ने बुधवार को क्षेत्र पंचायत प्रमुख चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया। विकास खंड शंकरगढ़ पहुंची उपजिलाधिकारी ने आरओ आर.के. वर्मा और बीडीओ देवेंद्र कुमार ओझा से अब तक की गई तैयारियों की जानकारी ली। एसडीएम ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता के साथ पूरी की जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही ठीक नहीं होगी। एसडीएम ने आज होने वाली नामांकन प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी ली।

उपजिलाधिकारी सौम्या गुरुरानी ने कहा कि नामांकन और वोटिंग के लिये दो सौ मीटर दूर से बैरीकेडिंग की जाए। अंदर भीड़ को घुसने से रोका जाए। नामांकन के दौरान प्रत्याशी, अनुमोदक और प्रस्तावक के अलावा किसी अन्य

को प्रवेश नहीं दिया जाए। नामांकन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने के लिए एसडीएम ने क्षेत्राधिकारी बारा और एसओ शंकरगढ़ को भी निर्देशित किया।

विकास खंड शंकरगढ़ में क्षेत्र पंचायत सदस्यों की कुल संख्या 85 है। यहां पर दो प्रत्याशियों ने कुल पांच नामांकन फार्म खरीदे है। इसमें वार्ड संख्या 35 से भाजपा प्रत्याशी निर्मला देवी पतनि राजकरण ने तीन फार्म खरीदा है। जबकि समाजवादी की घोषित प्रत्याशी गुलाब कली पतनि भोलानाथ ने दो फार्म खरीदा है। विकास खंड शंकरगढ़ में क्षेत्र पंचायत प्रमुख की सीट अनुसूचित जाति महिला के लिए रिजर्व है। यह चुनाव तीन दिन में खत्म हो जाएगा। इसके लिए पूरी तैयारियां हो चुकी हैं। आरओ आरके वर्मा ने भी तैयारियों का जायजा लिया। बताया कि नामांकन प्रक्रिया आठ जुलाई को तीन बजे तक होगी। इसके पश्चात नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। जबकि नौ जुलाई को नाम वापसी और दस जुलाई को मतदान और मतगणना होगी।उपजिलाधिकारी सौम्या गुरुरानी के निरीक्षण के दौरान बीडीओ देवेंद्र कुमार ओझा, आरओ आरके वर्मा, सीओ बारा अवधेश कुमार शुक्ल, एडीओ (पंचायत) दीपेश सिंह, एसओ कुलदीप कुमार तिवारी आदि मौजूद रहे।एसओ कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया कि नामांकन और मतदान के दौरान पूरा ब्लॉक परिसर छावनी में तब्दील रहेगा, इसके लिए पर्याप्त फोर्स की व्यवस्था कर ली गई है।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जनसंघ के संस्थापक के जन्मदिन के शुभ अवसर पर किया वृक्षारोपण

अखंड भारत संदेश

करछना। विधानसभा में सेमरी बनपुरवा के प्राइमरी स्कूल एवं जूनियर स्कूल में मंडल करछना मंडल चाका के चंपत पुर गांव के मार्केट के चौराहे पर में फलदार वृक्षों से वृक्षारोपण किया गया और जनता को यह संदेश दिया गया फलदार वृक्ष से लोगों को छाया भी मिलेगी और फल भी खाने को मिलेगा साथ ही साथ जीवन को बचाने के लिए ऑक्सीजन पर्याप्त मिलेगी यह कार्यक्रम जिला उपाध्यक्ष भाजपा यमुनापार प्रयागराज इंजीनियर जगदीश सिंह यादव के एक के अगुवाई में संपनन हुआ।

इस मौके पर चका मंडल के अध्यक्ष पृथ्वी पाल सिंह मंडल महामंत्री पांडे जी कचरा मंडल के मीडिया प्रभारी उमेश पांडे जी सेमरी शक्ति केंद्र संयोजक श्री दिनेश कुमार यादव जी भूत अध्यक्ष मुनींद्र यादव जी बूथ अध्यक्ष ओम पांडे जी भूत अध्यक्ष कमलेश यादव जी

भूत अध्यक्ष गुड्डू सिंह पटेल जी रमाशंकर सुर्खे समाजसेवी रमेश यादव अमित यादव उदय राज पटेल प्रियांशु यादव अजय विश्वकर्मा रवि निषाद अशफीलाल विद्यालय के कर्मचारी हम काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे

शांतिभंग की आशंका में चार महिलाओं सहित दस का चालान

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/ प्रयागराज। शांतिभंग की आशंका में चार महिलाओं सहित दस लोगों का चालान किया गया है। सभी को हिरासत में लेकर चालान भेज दिया गया है। यह कार्यवाही यमुनापार थाने की शंकरगढ़ पुलिस ने की है।

एसओ कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के क्रम में दस लोगों का चालान 151,107,116 के तहत किया गया है। एसओ ने बताया कि शांतिभंग की आशंका की सूचना पर खनन कोल पुत्र बहादुर (बेनीपुर, शंकरगढ़), बोरेलाल आदिवासी पुत्र बब्बू आदिवासी (बेनीपुर, शंकरगढ़), सुग्रीव पुत्र जवाहरलाल (देवरा, शंकरगढ़), जीतेंद्र कुमार पुत्र भैयालाल (देवरा, शंकरगढ़), इंद्रभान यादव पुत्र जगत नारायण यादव (कल्याणपुर, शंकरगढ़), शंभूनाथ यादव पुत्र अयोध्या प्रसाद यादव (कल्याणपुर, शंकरगढ़), रेशमा पतनि राहुल (देवरा, शंकरगढ़), रनने देवी पतनि सुग्रीव (देवरा, शंकरगढ़),रेशमा पुत्री भैयालाल (देवरा, शंकरगढ़) और शांति देवी पतनि भैयालाल (देवरा, शंकरगढ़) का चालान किया गया है।

महंगाई तहसील पर किया प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

करछना। पेट्रोलियम पदार्थों की मूल्यवृद्धि एवं बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस पार्टी द्वारा पूरे प्रदेश में दस दिवसीय प्रदेश व्यापी धरना प्रदर्शन का कार्यक्रम चल रहा है इसी के अंतर्गत आज प्रयागराज के तहसील करछना में भी जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ट परवेज सिद्दीकी के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन किया गया । जिसमे जिले के तमाम पदाधिकारी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। इसके अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी की मोदी,योगी सरकार की जनविरोधी नीतियों को को जम कर कोसा गया ,एवं दामों की बढ़ोतरी को वापिस लेने की मांग की गई, सरकार की नीतियों के ख़िलाफ़ नारेबाजी की और सरकार को भी चेताया की अगर समय रहते मोदी, योगी की सरकार ने इस पर ध्यान नही दिया तो यह आन्दोलन पूरे देश मे व्यापक स्तर पर छेड़ा जाएगा।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता किशोर वार्ष्णेय ने कहा कि बीजेपी सरकार की जन विरोधी पूरे देश मे देशव्यापी आंदोलन छेड़ेगी एवं इनकी जनविरोधी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाया एजाज उल हक रंगराज सिंह जिला उपाध्यक्ष डॉक्टर दिनेश कुमार सोनी जिला महामंत्री विद्याधर मिश्रा रमेश

नीतियों को जनता समझ चुकी है, जिस तरह से महंगाई दिन प्रतिदिन बढ़ रही है इसे कम नही किया गया तो हमारी पार्टी जाएगा। इस कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष करछना प्रकाश चन्द्र पांडेय,जिला महासचिव अल्पसंख्यक प्रकोष्ट मुशीर ख़ान ब्लॉक अध्यक्ष सगीर अहमद तिवारी रविराज सिंह रोहित कुशवाहा राजू सिंह पटेल अनिल कुशवाहा मोहम्मद राशिद खान आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सावित्री देवी महा विद्यायालय में किया गया वृक्षारोपण

अखंड भारत संदेस

करछना। ब्लॉक करछना के सावित्री देवी महिला महाविद्यालय सोनाई में वृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत वन महोत्सव सप्ताह के अंतिम दिन 7 जुलाई बुधवार को महाविद्यालय के परिसर में फलदार व छायादार वृक्षों के पौधों का पौध रोपण किया गया। साथ ही साथ पौधरोपण के समय मौजूद सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण और पौधों की सुरक्षा का संकल्प भी लिया गया। और लोगों से अधिक से अधिक पौधों को रोपे जाने की अपील भी की गई । इस मौके पर महाविद्यालय के प्रबंधक ज्ञान सिंह प्राचार्य डॉ समीर श्रीवास्तव सावित्री देवी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव प्रो लालिमा सिंह डॉ राजीव पांडेय प्रो अर्चना चंद्रा डॉ अजय सिंह विनोद श्रीवास्तव चंद्रशेखर सिंह रवि सिंह पटेल आदि लोग उपस्थित रहे ।

139 को लगी कोरोना वैक्सीन,39 का हुआ टीकाकरण

अखंड भारत संदेश

करछना। सीएचसी करछना मे बुधवार को 139 लोगो को कोरोना वैक्सीन की खुराक दी गई जिसमे 45 वर्ष के ऊपर वाले लोगो को वैक्सीन की दूसरी डोज और 18 वर्ष के ऊपर वाले लोगों को पहली डोज लगाई गई।सीएचसी मे 39 लोगों की कोरोना जांच की गई जिसमे कोई भी व्यक्ति पाजटिव नही मिला।

अहम् ब्रह्मास्मि की भावना के परित्याग से ही कल्याणकारी पत्रकारिता संभव : डॉ उपाध्याय

अखंड भारत संदेश

करछना/प्रयागराज। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की तहसील इकाई करछना की बैठक सरस्वती बाल मंदिर गंधियांव में संपनन हुई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ वीरेंद्र कुसुमाकर उपस्थित रहे और विशिष्ट अतिथि राजेंद्र शुक्ल जी रहे। बैठक की अध्यक्षता पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक डॉक्टर भगवान प्रसाद उपाध्याय ने किया जिसका संचालन तहसील करछना इकाई के अध्यक्ष वेदानंद वेद ने किया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ उपाध्याय ने कहा कि पत्रकारों को अहंकार नहीं करना चाहिए अहम् ब्रह्मास्मि की भावना के परित्याग के बिना आप कल्याणकारी पत्रकारिता कदापि नहीं कर सकते जब आपको अपने पत्रकार होने का घमंड हो जाएगा तो आपकी लेखनी विचलित हो जाएगी अतः आप नारद की भांति निर्विकार होकर पत्रकारिता धर्म का निर्वाह करें डॉ उपाध्याय ने कहा कि घमंडी पत्रकार का सिर सदैव नीचे रहता है वह कभी भी अधिकारियों और सामने वाले से आंख मिलाकर बात नहीं कर सकता मुख्य अतिथि डॉ वीरेंद्र कुसुमाकर ने कहा कि आंचलिक पत्रकारिता करना दुधारी तलवार पर चलना है इसलिए हमें हर कदम पर सतर्कता की आवश्यकता है हमें ध्यान रखना होगा कि हम अपनी लेखनी के माध्यम से पक्षपातपूर्ण पत्रकारिता कभी ना करें डॉक्टर कुसुमाकर ने कहा कि आजकल कटिंग पेस्टिंग की पत्रकारिता करने वाले स्वयं को बहुत योग्य समझते हैं जो उनकी भूल है।

विशिष्ट अतिथि राजेंद्र शुक्ल ने कलम कारों को समर्पित एक गीत प्रस्तुत किया और अपनी रचना के माध्यम से उन्होंने सार्थक संदेश दिया श्री शुक्ल ने कहा कि जो पत्रकार अपने वरिष्ठ जनों का आदर और सम्मान नहीं कर सकता वह जीवन में कभी भी आगे नहीं बढ़ सकता वह केवल कूप मंडूक बनकर पत्रकारिता की अकड़ भले ही बनाए रखें लेकिन उसका समाज में कभी भी सम्मान नहीं होता।

संचालन कर रहे तहसील इकाई करछना के अध्यक्ष वेदानंद वेद ने आधे दर्जन से अधिक नए पत्रकार साथियों को महासंघ की सदस्यता दिलवाई और उनका उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने भविष्य में हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया वरिष्ठ पत्रकार बुद्धसेन वर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस समय पत्रकारों की एक नई पौध उत्पनन हो रही है जिसे बहुत ही संयम से काम लेना होगा और अपने वरिष्ठ पत्रकार साथियों के सानिध्य में रहकर सीखना होगा युवा पत्रकार अरविंद पटेल ने कहा कि पत्रकारिता धर्म के निर्वाह में धन का लोग नहीं करना चाहिए यदि हम पैसे पर बिक जाएंगे तो सच्ची पत्रकारिता नहीं कर पाएंगे इसलिए अपने कलम की मर्यादा बचाए रखना होगा इस बैठक में वीरेंद्र तिवारी संदीप कुमार गुप्ता अरविंद कुमार पटेल उत्कर्ष उपाध्याय अजय कुमार पटेल प्रशांत तिवारी प्रेमांशु जौहरी शुभम विश्वकर्मा आदि पत्रकारों ने भी अपने विचार रखे जिन नए साथियों ने सदस्यता ग्रहण की उन्होंने महासंघ के आदर्शों को स्थापित करने का वचन दिया।

समस्याओं का गुणवत्तापरक निस्तारण पहली प्राथमिकता: सौम्या गुरुरानी

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। आईएएस सौम्या गुरुरानी को बारा तहसील का उपजिलाधिकारी बनाया गया है।

जनपद के दक्षिणांचल में स्थित बारा तहसील का कार्यभार सौम्या ने संभाल लिया है। बातचीत के दौरान सौम्या गुरुरानी ने कहा कि क्षेत्र की समस्याओं का त्वरित और गुणवत्तापरक निस्तारण उनकी पहली प्राथमिकता है। कहा कि तहसील मुख्यालय आने वाले फरियादियों को तत्काल न्याय दिलाना उनकी प्राथमिकता है।

उपजिलाधिकारी सौम्या गुरुरानी, उत्तराखंड निवासी 2019 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। यूपी के मेरठ में ट्रेनिंग पूरी होने के बाद प्रयागराज जनपद में पोस्टिंग हुई।

मीडिया से रूबरू होते हुए उपजिलाधिकारी आईएएस सौम्या गुरुरानी ने बताया कि क्षेत्र से आई हुई सभी समस्याओं का निदान और फरियादी की पीड़ा को समझकर समस्या का तत्काल निस्तारण किया जाएगा। साथ ही राजस्व विभाग के जो भी लंबित मामले हैं, उन्हें निस्तारण करने का प्रयास जारी रहेगा। लापरवाही करने वाले अधिकारियों कर्मचारियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र की जनता को सही समय पर उचित न्याय मिले, इसी प्रयास को लेकर कार्य किया जाएगा।

प्रधान और मंडल अध्यक्ष की अगुवाई में वृहद स्तर पर किया गया वृक्षारोपण

अखंड भारत संदेश.

प्रतापपुर। विकासखंड के लोढीडीह गाँव में ग्राम प्रधान योगेंद्र मिश्रा एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष आशुतोष त्रिपाठी की अगुवाई में गाँव के विभिनन स्थानों पर सैकड़ो फलदार एवं छायादार वृक्ष रोपित किया गया।इस अवसर मंडल अध्यक्ष आशुतोष त्रिपाठी ने कहा वृक्ष धरा के आभूषण है सभी को पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझना होगा।उन्होंने वृक्षारोपण को पुनीत कार्य बताया।ग्रामप्रधान योगेंद्र मिश्रा ने ग्रामीणों से अधिक से अधिक वृक्ष रोपित करने की अपील किया।इस मौके पर महावीर मिश्रा,भरत मिश्रा,ओमप्रकाश चौहान,तीरथ चौहान,शत्रुघन मिश्रा,लवकुश मिश्रा आदि रहे।

इसी तरह सरायहरिराम गाँव में ग्राम प्रधान विजय यादव एवं समाजसेवी अशोक यादव(अंजान)की अगुवाई में वृक्ष रोपित किया गया तो वही भोगवारा गाँव मे नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान धनने देवी,मिठाईलाल यादव,भुल्लन यादव,सूर्या यादव,त्रिशूल यादव,रोशन ने बड़ी संख्या में प्राथमिक विद्यालय एवं मंदिर परिसर में बड़ी बड़ी सँख्या में वृक्ष रोपित किया।

शराब की दुकान में लूट करने का आरोपी गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। शंकरगढ़ पुलिस ने शराब की दुकान में घुसकर लूट करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। एसओ शंकरगढ़ कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया कि तीन जुलाई को रानीगंज पगुवार में स्थित शराब की दुकान में लूट की घटना को अंजाम दिया गया है। मामले के आरोपी हिम्मत सिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह (निवासी सूती, जनेह, रीवा, मध्य प्रदेश) को करिया कला के यात्री प्रतीक्षालय से धर दबोचा गया।

एसओ ने बताया कि इस घटना के दो आरोपी सौरभ तिवारी और अजय कुमार को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। इन पर दुकान में तोड़फोड़, लूटपाट और मारपीट का आरोप लगा था। गिरफ्त में आए हिम्मत सिंह का पुलिस ने

चालान कर दिया है। हिम्मत सिंह के खिलाफ शंकरगढ़ थाने में चार मामले दर्ज हैं। गिरफ्तार करने वाली टीम में एसआई अवनेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल राजेश सिंह यादव, अभय कुमार, मनीष सिंह आदि शामिल रहे।

सुजीत ने वृक्षारोपण एवम पौधे वितरित कर मनाया जन्मदिन

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। वृक्षारोपण अभियान युवाओं मे काफी लोकप्रिय हों रहा है अधिकांश युवा शादी सालगिरह, जन्मदिन यहाँ तक की शादी विवाह मे भी पौधा भेंट करने एवम वृक्षारोपण का अभियान तीव्र गति से चल रहा। गौहनिया क्षेत्र के बारी बजहिया मे इंजिनियर छात्र सुजीत पटेल नें अपने जन्मदिन पर लोगों मे आम, लीची, नीबू, पीपल पौधे बाटने के साथ ही वृक्षारोपण कर अपना जन्म दिन में मनाया। उक्त अवसर पर युवा समाजसेवीं सुजीत पटेल नें वृक्षारोपण से अनेकों लाभ भी ग्रामीणों के मध्य अपने अनुभव को साझा किये।।

नौकरी दिलाने के नाम पर जालसाज ने ठगा,थाने में किया शिकायत

करछना। क्षेत्र के रामपुर सेमरहा के रहने वाले एक व्यक्ति ने नौकरी के नाम पर लाखों ठग लिए।नौकरी न मिलने पर पैसा वापसी को लेकर हीलाहवाली कर रहा है।भुक्तभोगी करछना थाने में इसकी शिकायत की है।हण्डिया थाना क्षेत्र के दुमदुमा के तेलिया तारा निवासी सूरज यादव पुत्र लालमणि यादव से नौकरी के नाम 6लाख चालीस हजार रूपये ऐठ लिए।काफी दिन बीत जाने के बाद एक लाख रूपये वापस भी किया।किन्तु अब बाकी पैसे की वापसी को लेकर आना कानी कर रहा है।भुक्तभोगी के मुताबिक उक्त जालसाज का काफी लंबा रैकेट है जो लोगों से नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करता है।पुलिस ने सूरज की तहरीर पर जांच पड़ताल में जुटी है।

पत्रकार के हत्यारे को पकड़ कड़ी सजा नही दी दो पत्रकार संघटने आंदोलन को विवशः आलोक

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। प्रदेश में लगातार पत्रकारों के साथ हो रही घटनाओं को लेकर बुधवार के दिन भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के मंडल अध्यक्ष आलोक त्रिपाठी के नेतृत्व में एक आवश्यक बैठक हुई । जिसमें महासंघ के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

इस बीच दो दिन पूर्व खीरी थाना क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार ओम प्रकाश भुरतिया की निर्मम हत्या किए जाने की निंदा करते हुये मंडल अध्यक्ष आलोक त्रिपाठी ने कहा कि जब से प्रदेश में सरकार आई है । तब से चाहे ग्रामीण अंचल के पत्रकार हो या शहरी क्षेत्र के पत्रकार व छायाकार हो उनके साथ घटनाएं हो रही है । सरकार में लोकतंत्र की कोई छवि दिख ही नहीं रही है । जबकि पत्रकार को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है । कलम कारो की कलम को चलने नहीं दिया जा रहा है । यदि उक्त विगत दिनों हुई पत्रकारों के साथ हुई घटनाओं का संज्ञान लेकर सरकार कोई ठोस कदम नहीं उठाती तो प्रदेश भर के सभी संगठनों के पत्रकार एक बैनर तले आकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने को विवश होंगे ।जिसकी सारी जिम्मेदारी प्रदेश सरकार की होगी । आगे कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा की भी जिम्मेदारी सरकार ही है । इस मौके पर आरके शर्मा मंडल उपाध्यक्ष, आरिफ सिद्दीकी ,अजय कुमार द्विवेदी,राजेश निषाद,प्रवीण मिश्र, अखिलेश त्रिपाठी ,जेपी शुक्ल आदि कई पत्रकार मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की समीक्षा बैठक सम्पन्न

कृषि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता, उदासीनता एवं लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की प्रगति की समीक्षा बैठक संगम सभागार में की गयी।

समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि किसानों के लिए सरकार द्वारा जो योजनाएं चलायी जा रही है, उन योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा किसानों को मिले। उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत वर्ष के खरीफ मौसम में बीमित किये गये कृषकों, कृषकों की प्रीमियम एवं कृषकों की प्राप्त क्षतपूर्ति की विस्तार से चर्चा की गयी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत विभिन्न बैंकों द्वारा वर्ष 2021-22 के खरीफ में कितने बीमित कृषक है तथा अभी भी

जिन बैंकों द्वारा लक्ष्य के सापेक्ष नहीं किया गया है, वे ससमय पूर्ण करा ले। उन्होंने बैठक में ग्रामीण बैंक के जिला कोआर्डिनेटर के अनुपस्थित पाये जाने पर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिये है। इसके साथ ही साथ यह निर्देशित भी किया कि जिन बैंकों के द्वारा अभी इस सम्बंध में कार्यवाही नहीं शुरू की गयी है, उन्हें तत्काल 2 दिनों में कार्यवाही शुरू करने के निर्देश भी दिये है। उन्होंने पिछले वर्षों की क्या स्थिति रही है और अब इस वर्ष की क्या स्थिति है, की समीक्षा करते हुए कहा कि इस कार्यों में कोई भी शिथिलता या उदासीनता कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने बैंकर्स को कहा कि जो भी लक्ष्य है, उसको ससमय पूर्ण करा लिए जाये।

उन्होंने नोडल एजेंसी यूनिवर्सल सोम्पों जनरल इंश्योरेंस कम्पनी लि0 पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यदि लापरवाही या शिथिलता पायी गयी तो सख्त कार्यवाही के लिए तैयार रहें। बैठक में उप निदेशक कृषि श्री विनोद कुमार, जिला कृषि अधिकारी डॉ0 अश्वनी कुमार सिंह, जिला कृषि रक्षा अधिकारी श्री इन्द्रजीत यादव सहित सभी सम्बंधित अधिकारी एवं बैंकर्स उपस्थित रहे।

बहादुरपुर ब्लाक मे चार उम्मीदवारों के बीच, दस नामांकन फार्म बिके

अखंड भारत संदेश

हनुमानगंज। क्षेत्र पंचायत प्रमुख पद चुनाव के लिए मंगलवार को लीज निर्वाचन अधिकारी ने अधिसूचना जारी कर दी है। बुद्धवार को ब्लाक बहादुरपुर में प्रमुख पद के लिए चार उम्मीदवारों के बीच कुल 10 नामांकन फार्म बिके हैं। बीडीओ बहादुरपुर श्रीश गुप्ता ने बताया कि प्रमुख पद के लिए चार उम्मीदवार पवन द्विवेदी, निवर्तमान प्रमुख अरुणेन्द्र यादव , उनके भाई चन्द्रजीत यादव , तथा अंगद यादव, ने अतिरिक्त नामांकन फार्म खरीदा है।

8 को नामांकन और नाम निर्देशन पत्रों की जाँच तथा 9 को वापसी 10 जुलाई को मतदान सुबह 11 बजे से 3 बजे तक होगा। कुल 92 बीडीसी मतदान करेंगे। जिसकी वीडिओ ग्राफी सीसी टीवी कैमरा के साथ पुरी तैयारी करली गयी है।

डीजे की धुन पर डांस कर रहे बारातियों को दबंगों ने पीटा, घायल

अखंड भारत संदेश

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के मोहब्बत गंज में बीती रात एक बारात में बराती डीजे की धुन पर डांस कर रहे थे। तभी गांव के कुछ दबंगों ने बारातियों से विवाद करते हुए जमकर लाठी-डंडों से पिटाई कर दिए। जिससे एक महिला समेत दो युवक घायल हो गए। आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए भुक्तभोगी ने नैनी कोतवाली में तहरीर दी है। जानकारी के मुताबिक मेजा थाना क्षेत्र के बरसईता गांव के रहने वाले पंचम उर्फ सनी पुत्र बुड्ढा की शादी नैनी कोतवाली क्षेत्र के मोहब्बत गंज निवासी मुकेश की बहन पिंकी के साथ तय हुई थी। इसी कड़ी में सोमवार रात पंचम उर्फ शनि की बारात मोहब्बत गंज गांव पहुंची हुई थी। बारात पहुंचने के बाद बारातियों ने बारातियों का जमकर स्वागत व सत्कार किए। इसके बाद लगभग साढ़े दस बजे बारात आगे जाने के लिए डीजे की धुन पर बाराती डांस करने लगे। तभी उसी रास्ते से गुजर रहे कुछ दबंग किस्म के युवक पहुंचे और जबरन डीजे को बंद कराने लगे। जिस पर बारातियों ने विरोध प्रकट किया तो उक्त लोगों ने बारातियों को दौड़ा-दौड़ा कर लाठी-डंडों से पिटाई करने लगे। जिससे भगदड़ की स्थिति मच गई। इस दौरान दबंगों की दबंगई से डरकर कुछ बराती मौके से ही फरार हो गए। इस दौरान दबंगों की पिटाई से बाराती मेजा के बरसईता गांव निवासी रवि शंकर निषाद (22) पुत्र स्वर्गीय विधि लाल और उसका छोटा भाई मनीष शंकर (19) सहित मनीषा देवी (32) पतने राम जी घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। तब तक मारपीट करने वाले दबंग फरार हो गए थे। आरोपियों के खिलाफ भुक्तभोगी ने कोतवाली में तहरीर दी है। समाचार लिखे जाने तक आरोपियों के खिलाफ कोई भी रिपोर्ट दर्ज नहीं हो पाया था।

प्रयागराज जिला के 23 ब्लाक प्रमुख प्रत्याशियों की सूची जारी

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज यमुनापार जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने प्रयागराज जिला के 23 ब्लॉकों के प्रमुख प्रत्याशी की घोषणा करते हुए बताया कि उरुवा ब्लाक से गायत्री मिश्रा, पतने श्री जयशंकर मिश्र, करछना से महिला सावित्री देवी, कोरांव अनुसूचित जाति परमानंद कोल, कौडियार अन्य पिछड़ा वर्ग सुनीता यादव, कौंधियारा अनारक्षित सोमकरण पटेल, चाका अनारक्षित राजू सिंह पटेल, जसरा अनारक्षित चंद्र प्रकाश त्रिपाठी, धनुपुर अन्य पिछड़ा वर्ग महिला वंदना कुशवाहा, प्रतापपुर अन्य पिछड़ा वर्ग सीमा देवी विश्वकर्मा, फूलपुर अन्य पिछड़ा वर्ग विपेद्र सिंह पटेल, बहरिया अनारक्षित शशांक मिश्रा, भगवतपुर अनुसूचित जाति महिला मालती देवी सोनकर,मऊआइमा अन्य पिछड़ा वर्ग महिला अनारा देवी, मेजा महिला गायत्री मिश्रा, मांडा महिला प्रगति सिंह, शंकरगढ़ अनुसूचित जाति महिला निर्मला पतने राजकरण, श्रृंगवेरपुर धाम अनारक्षित रामचंद्र यादव फौजी, सहसो अनारक्षित गीता सिंह, सोंराव अनुसूचित जाति प्रदीप कुमार सरोज, हंडिया अनारक्षित मस्तान सिंह, होलागढ़ अनुसूचित राम फकीरे हरिजन सैदाबाद अन्य पिछड़ा वर्ग अपना दल के दिया गया है बहादुरपुर अनारक्षित वर्तमान मे रिक्त है शीर्ष नेतृत्व चर्चा कर रहा है। यमुनापार जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती ने घोषणा करते हुए सभी को जीत की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए ऐतिहासिक ब्लाक प्रमुख की जीत का भी दावा किया है।

जिलाध्यक्ष यमुनापार ने ऐतिहासिक प्रमुखों के जीत का दावा किया

इफको में शिविर लगाकर किया गया अधिकारियों का कोविड टीकाकरण

फूलपुर सीएचसी की टीम ने किया 150 लोगों का वैक्सीनेशन

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। कोरोना वैक्सीन पूरी तरह से सुरक्षित तथा प्रभावी है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को कोरोना से बचाव के लिए वेक्सीन की निश्चित दोनों खुराक जरुर लेनी चाहिए। उक्त बातें फूलपुर स्थित इफको घियानगर में तीन दिन तक चलने वाले कोविड टीकाकरण अभियान में अन्तः वासियों का टीकाकरण करवाते हुए सीएचसी अधीक्षक फूलपुर सुनील पाण्डेय ने कही।

इकाई प्रमुख संजय कुदेशिया ने फूलपुर की स्वास्थ टीम को धन्यवाद देते हुए कहा कि कोरोना काल में स्वास्थ टीम का कार्य सराहनीय रहा। उक्त टीम द्वारा आज भी वृहद स्तर पर टीकाकरण अभियान चलाकर वैक्सीनेशन का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान इकाई प्रमुख ने इफको के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को टीकाकरण करवाने के लिए प्रेरित किया।

जनसंपर्क अधिकारी संजय मिश्रा ने बताया कि स्वास्थ्य टीम द्वारा तीन दिन तक लगातार टीकाकरण अभियान चलाकर 18 से 45 तथा 45 वर्ष के ऊपर के लोगों का टीकाकरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बुधवार को इफको चिकित्सालय में 150 लोगों का टीकाकरण किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में इफको चिकित्सालय की चिकित्सक अनीता मिश्रा के साथ ही समस्त स्टाफ का कार्य सराहनीय रहा। मौके पर कार्मिक व प्रशासन प्रमुख दानवीर, आई टी प्रमुख संतोष शुक्ला ,ऑफिसर एसोसिएशन के महामंत्री स्वयं प्रकाश व अध्यक्ष संजय मिश्रा के साथ ही वी0 के0 नौटियाल, पद्माकर त्रिपाठी व इफको के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सड़क पार कर रही महिला को बाइक चालक ने बेकाबू होकर मारी टक्कर हालत गंभीर

अखंड भारत संदेश

करछना। थाना के भीरपुर रिपोर्टिंग पुलिस चौकी के अंतर्गत कचरी गांव के सामने मिर्जापुर प्रयागराज राष्ट्रीय राज्य मार्ग पर सड़क पार कर रही वृद्ध महिला को तेज रफ्तार बाइक चालक ने बेकाबू होकर मारी टक्कर बाइक सवार समेत तीनों हुए घायल।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक कचरी गांव निवासी केशव लाल पटेल की पतने शिवकली 65 वर्ष बुधवार देर शाम को खेत में काम काज करने के बाद घर के लिए लौट रही थी। उसी बीच गांव के सामने हाईवे सड़क पार कर रही थी कि मेजा की ओर से तेज रफ्तार आ रहा बाइक चालक बेकाबू होकर महिला को जोरदार टक्कर मार दी।

वही चक्कर इतना भीषण था कि बाइक सवार विनीत भारतीय 28 पुत्र राजू भारतीय व साथ में बैठा छोटा- भाई मलिक 16 वर्ष मार्ग से दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसे देख आसपास के लोगों ने आनन-फानन में तीनों घायलों को पास के एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए भेजा गया। जिसमें शिवकली व बाइक चालक विनीत भारतिया की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने जिले के अस्पताल में रेफर कर दिया जहां दोनों की हालत गंभीर बनी है।

धू धूकर जली ट्रासफार्मर मे लगी केबिल,विद्युत व्यस्था बाधित

अखंड भारत संदेश

करछना। स्थानीय जबरगंज बाजार के समीप लगे 100 केवीए के ट्रासफार्मर की केबिल मे बुधवार शाम को अचानक आग लग गई और देखते ही देखते आग विकराल रूप धारण कर लिया और आग ने ट्रासफार्मर को भी जद मे लिया।जिसके चलते मोहल्ले की बिजली भी गुल रही और लोग उमस भरी गर्मी मे रहने को विवश हुए।

15 वे वित्त आयोग के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से क्रय की गई जेसीबी मशीन का किया उद्घाटन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अभिलाषा गुप्ता नंदी महापौर प्रयागराज द्वारा 15 वे वित्त आयोग के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से क्रय की गई 10 आदत एक्सकवेटर कम लोडर मशीन (जेसीबी) का उद्घाटन कर जनता की सेवा हेतु शहर की सफाई हेतु संचालित किया गया । जेसीबी से शहर के समस्त जोनों में सफाई व्यवस्था कूड़ा/मलवा निस्तारण एवं एवं नाला सफाई का कार्य किया जाएगा । मशीन के माध्यम से शहर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सी एंड डी वेस्ट निस्तारण तथा नाला सफाई का कार्य समय कराने में काफी असुविधा का सामना करना पड़ता था ऐसी परिस्थिति को दृष्टिगत रखते हुए क्रय किया गया । उक्त मशीनों हेतु नगर निगम प्रयागराज द्वारा 15 वे वित्त आयोग से 314.40 लाख रुपए का व्यय किया गया ।

वर्तमान में नगर निगम प्रयागराज में 14 रोबोट एवं 16 जेसीबी उपलब्ध है । शहर की सफाई व्यवस्था के दृष्टिगत समस्त जोनल अधिकारियों को एक रोबोट व जेसीबी आवंटित करने हेतु नगर आयुक्त को आदेशित कर दिया गया है । इस अवसर पर पार्षद श्री कमलेश सिंह, नेम यादव, आकाश सोनकर, मनजीत सिंह, मोइनुद्दीन, जगमोहन गुप्ता , रमीज़ अहसन, नामित पार्षद अनूप मिश्रा, अमन बलेचा, सबीना सिद्धकी, पूर्व पार्षद राजेश कुशवाहा, पार्षद प्रतिनिधि नीरज टण्डन , अपर नगर आयुक्त मुशीर अहमद, मुख्य अभियंता सतीश कुमार, अवर अभियंता एस.एन. पांडेय, वीरेंद्र पांडे फोरमैन आदि लोग उपस्थित रहे ।

मासूम बच्ची की हत्या के मामले में पुलिस ने 3 संदिग्ध को उठाया

अखंड भारत संदेश

सहसों। थाना सराय इनायत के पुलिस चौकी सहसों क्षेत्र के घरहरा चकिया गांव में मंगलवार को मासूम बालिका का शव मिलने से हड़कंप मच गया था । मौके पर पहुंचे एसपी गंगापार धवल जायसवाल, क्षेत्राधिकारी फूलपुर रामसागर सहित अन्य अधिकारियों ने परिजनों सहित आक्रोशित ग्रामीणों को समझा-बुझाकर लाश को पीएम के लिए भेज दिया था। बुधवार को भीम आर्मी सेना के जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा अरविंद सोनकर, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष पूनम कोरी, विजय पासी सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने मृतक श्रद्धा भारतीय के पिता बलवंत, माता शकुंतला सहित अन्य परिजनों से मिलकर नाटक बताया तथा प्रशासन से न्याय दिलाए जाने की बात कही। भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं के गांव में पहुंचने की सूचना पर क्षेत्राधिकारी फूलपुर रामसागर, थाना प्रभारी सराय इनायत राकेश चौरसिया, चौकी प्रभारी सहसों भीष्म नारायण सिंह, थानाध्यक्ष थरवई कुशल पाल सिंह, कोतवाली प्रभारी फूलपुर राज किशोर सहित भारी संख्या में पुलिस बल पहुंचकर भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं से बातचीत की तथा उनके द्वारा विभिन्न मांगों से दोषीओं की जांच कराकर दोषी पाए जाने वाले दरिंदों की फांसी की सजा मुआवजे के तौर पर पचास लाख तथा परिवारी जन की सुरक्षा की मांग की जिस पर उपस्थित अधिकारियों ने न्याय दिलाए जाने की मांग सहित अन्य मांगों पर अधिकारियों से बात करने का आश्वासन दिया। क्षेत्राधिकारी ने कहा कि पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के पश्चात जांच में और तेजी लाई जाएगी और दोषी को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। और पीड़ित परिजन को निष्पक्ष जांच कर दोषी को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी।

मामले में क्षेत्राधिकारी ने बताया कि तीन लोगों को पूछताछ के लिए उठाया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद और संदिग्ध लोगों से पूछताछ कर मामले का खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है।

दो बाइक कि आमने सामने टक्कर में एक युवक कि मौके पर ही मौत

अखंड भारत संदेश

बहरिया। बहरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत रामगढ़ कोठारी गांव स्थित बंदर की पुलिया के पास आपस में दो बाइक के जोरदार आमने सामने टक्कर में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गयी दूसरे की स्थिति गंभीर बनीं हुई है।मंगलवार देर रात अमरचंद पुत्र मिश्रीलाल विश्वकर्मा उम्र (25)वर्ष निवासी सराय अजीत थाना बहरिया किसी काम से फूलपुर जा रहा था।

जैसे ही यह रामगढ़ कोठारी गांव के बंदर की पुलिया के पास पहुंचा तो उधर से तेज रफ्तार से आ रहे दूसरी बाइक सवार धर्मेंद्र कुमार उर्फ बबलू पुत्र पारसनाथ उम्र करीब (30) वर्ष निवासी उदगी थाना फूलपुर बहरिया की ओर आ रहा था।इस बीच दोनों की बाईको में टक्कर आपस में हो गयी।जिससे धर्मेंद्र कुमार का सिर और पैर में गंभीर चोट लग गयी।

ग्रामीणों ने 108 नंबर डायल कर एंबुलेंस बुलाया तब तक धर्मेंद्र की मौत हो चुकी थी। दूसरी ओर अमरचंद के भी सिर में गंभीर चोट आ गयी है।जिसका इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है।मौके पर पहुंची बहरिया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बच्चों को किताबी ज्ञान से इतर व्यवहारिक शिक्षा देने की जरूरतः त्यागी

पंचबन्धु सीएससी बाल विद्यालय की प्रथम वर्षगांठ सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। प्रयागराज के शंकरगढ़ ब्लॉक के ग्राम कल्याणपुर में स्थित पंचबन्धु सीएससी बाल विद्यालय में प्रथम वर्षगांठ धूमधाम से मनाया गया।

जिसमें छोटे बच्चों ने उत्साहपूर्वक केक काटा और पौधरोपण किया। सीएससी के सीईओ दिनेश त्यागी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल विभाजन को पाटने के लिए सीएससी बाल विद्यालय की अवधारणा शुरू की है। सीएससी की नींव शिक्षा है, इसलिए यह विद्यालय नवजात बच्चों के संज्ञानात्मक विकास में मदद करते हैं।सीएससी बाल विद्यालय नर्सरी और के.जी. कक्षाओं के लिए एक पूर्ण विद्यालय है यह अच्छी शिक्षा के साथ साथ बेहतर शिक्षा का भविष्य है बच्चों (3 से 6 साल

उम्र तक) के अंदर बोलकर और देखकर सीखने की जिज्ञासा ज्यादा होती है।बाल विद्यालय में सीएससी एकेडमी की तरफ से बच्चों को विभिन्न प्रकार के डिजिटल उपकरण के रूप में एक एलेक्सा, 7 डिजिटल टेबलेट्स, कंप्यूटर, प्रोजेक्टर, एलईडी बच्चों को पढ़ाने के फ्री में बाल विद्यालय को दिया गया है जिसके माध्यम से बच्चों को पढाया जाता है।कार्यक्रम के अन्त में बच्चों द्वारा पौधरोपण भी कराया गया। इस कार्यक्रम में मौजूद प्रयागराज के सीएससी के डिस्ट्रिक्ट मैनेजर आशीष तिवारी, विकास मिश्रा, शैलेन्द्र प्रताप सिंह,प्रबंधक संदीप सिंह, अभिभावक, व बच्चें आदि मौजूद रहे।

हंडिया तहसील गेट पर महंगाई को लेकर कांग्रेसियों ने इक्के पर बैठ कर जताया विरोध

अखंड भारत संदेश

हंडिया। कमर तोड़ महंगाई डीजल पेट्रोल गैस सरसों का तेल साबुन खादय सामग्री में बेतहाशा मूल्य वृद्धि के खिलाफ प्रयागराज के हंडिया तहसील पर कांग्रेस संगठनों का किसान कांग्रेस के अध्यक्ष अनिल पांडे के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन और पूरे बाजार में जुलूस निकाला गया। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव संजय तिवारी ने कहा महंगाई डायन घर-घर को परेशान कर रही है और भारत की सरकार मोदी योगी की सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है महंगाई को तत्काल नियंत्रण किया जाए। किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अनिल पांडे ने कहा महंगाई ने लोगों का जीवन बर्बाद कर दिया है लोग अपना घर नहीं चला पा रहे हैं महंगाई से हर वर्ग परेशान है डीजल और पेट्रोल के दाम 100 रुपए पार हो चुका है लेकिन सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही है घरेलू उपाय सरसों का तेल? खादय सामग्री का रेट कितना बढ़ चुका है कि लोग दो वक्त की रोटी भी नहीं खा पा रहे हैं। धरना प्रदर्शन और जुलूस में कोषाध्यक्ष बलराम बिंद सलाम एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष अक्षय यादव क्रांतिवीर अल्पसंख्यक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष कमर रिजवी ब्लॉक अध्यक्ष हंडिया सलीम अख्तर सलीम हाशमी आकाश पराशर मनन अंसारी अभिषेक शुक्ला राजेंद्र मिश्रा मुकेश मिश्रा राम लल्लू बिंद मोहम्मद मंसूर एजाज अहमद राहुल तिवारी पंकज तिवारी अंकित पांडे सलीम टाइगर गजराज चौहान अनिल चौहान आदि लोग उपस्थित रहे।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

सम्पादकीय

सवाल जवाबदेही का

मामला 2015 का है, जब केरल में कांग्रेस की ओमन चांडी सरकार के वित्त मंत्री विधानसभा में राज्य का बजट पेश कर रहे थे। तत्कालीन विपक्ष के सदस्य विरोधस्वरूप सदन में हंगामा कर रहे थे। आरोप है कि उसी दौरान सीपीआई विधायक के. अजित ने माइक फेंका और सदन का फर्नीचर भी तोड़ा। केरल विधानसभा से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यह देखना मंजूर कर लिया है कि जनप्रतिनिधियों की सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम के तहत कोई जिम्मेदारी बनती है या नहीं। सुप्रीम कोर्ट का यह ऑब्जर्वेशन विधायिका के कामकाज के दौरान जनप्रतिनिधियों के अशोभनीय व्यवहार की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विधायिका और न्यायपालिका के अधिकारों में टकराव से जुड़े पहलुओं की वजह से कानून के जानकारों की नजरें भी इस केस पर टिकी हुई हैं। मामला 2015 का है, जब केरल में कांग्रेस की ओमन चांडी सरकार के वित्त मंत्री विधानसभा में राज्य का बजट पेश कर रहे थे। तत्कालीन विपक्ष के सदस्य विरोधस्वरूप सदन में हंगामा कर रहे थे। आरोप है कि उसी दौरान सीपीआई विधायक के. अजित ने माइक फेंका और सदन का फर्नीचर भी तोड़ा। विधानसभा सचिव का आकलन था कि उस दिन तोड़फोड़ के दौरान 2.20 लाख रुपये का नुकसान हुआ। पुलिस ने सार्वजनिक संपत्ति निवारण कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज की। इसी बीच प्रदेश में कांग्रेस की जगह लेफ्ट फ्रंट की सरकार बन गई और उसने इस मामले को वापस लेने का प्रयास शुरू कर दिया। मगर पहले ट्रायल कोर्ट ने और फिर केरल हाईकोर्ट ने उसकी अर्जी ठुकरा दी, जिसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा। कई विधि विशेषज्ञों का कहना है कि यह मामला विधानसभा के अंदर का है और इसलिए स्पीकर को तय करना चाहिए।

विधानसभा के अंदर की कार्यवाही के दौरान सदस्यों का आचरण वैसे भी न्यायिक समीक्षा के दायरे में नहीं आता। जनप्रतिनिधियों को संविधान के तहत यह छूट मिली हुई है। एक तकनीकी सवाल यह भी है कि चूंकि विधानसभा का सत्र चल रहा था, इसलिए उससे जुड़े मामले में प्राथमिकी दर्ज होने से पहले स्पीकर की इजाजत ली जानी चाहिए थी, जो इस मामले में नहीं ली गई। मगर सुप्रीम कोर्ट ने व्यापक हितों को ध्यान में रखते हुए इस मामले को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। उसने कहा कि न केवल विधानसभाओं में बल्कि संसद में भी ऐसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। आखिर जनप्रतिनिधि ऐसे व्यवहार से क्या संदेश देना चाहते हैं? मामले की अगली सुनवाई 15 जुलाई को होने वाली है। इस पर तो सबकी नजर रहेगी ही कि सर्वोच्च अदालत इस मामले में क्या फैसला करती है, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि हर अधिकार या विशेषाधिकार के साथ कुछ जिम्मेदारियां जुड़ी होती हैं और जनप्रतिनिधियों की तरफ से उस जिम्मेदारी का निर्वाह करने में हाल के वर्षों में काफी लापरवाही देखी गई है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो सुप्रीम कोर्ट के इस दखल की जमीन तैयार करने का काम खुद जनप्रतिनिधियों ने किया है। आखिर विधायिका के अधिकारों की दुहाई देकर अपनी गैरजिम्मेदारी को कब तक छुपाए रखा जा सकता है।

ई-कॉमर्स को आरटीआई के दायरे में लाया जाए

भरत झुनझुनवाला

कोरोना काल में बाजारों के बंद होने से ई-कॉमर्स का भारी विस्तार हुआ है। उपभोक्ता को राहत मिली है। जरूरत का माल घर पर पहुंचाया जा रहा है। उपभोक्ता की चॉइस भी बहुत बढ़ गई है। कुछ समय पहले मुझे एक पुस्तक की जरूरत थी, जो भारत में उपलब्ध नहीं थी। मैंने अंतरराष्ट्रीय ई-कॉमर्स पोर्टल पर ऑर्डर दिया और वह 15 दिन के बाद मेरे घर पर पहुंच गई। दाम की तुलना करना भी आसान हो गया है। जैसे आपको सरसों का तेल खरीदना हो तो आप तीन ई-पोर्टल पर जाकर दाम की तुलना कर सकते हैं। इन सुविधाओं को देखते हुए ई-कॉमर्स को अपनाना जरूरी और लाभप्रद है। लेकिन साथ-साथ जो समस्याएं उत्पनन्न हो रही हैं, उन्हें दूर करना भी उतना ही जरूरी है। ई-कॉमर्स कंपनियां अक्सर अपनी ही दूसरी कंपनी द्वारा बनाए गए माल की बिक्री अधिक करना चाहती हैं। जैसे मान लीजिए अमुक ई-पोर्टल, जिसका नाम 'कखग' है, ने सरसों का तेल बनाने की फैक्ट्री लगा रखी है। जब कोई विजिटर उनके पोर्टल पर सरसों तेल की खोज करता है तो पोर्टल द्वारा अपनी ही कंपनी के सरसों तेल को सर्वोत्तम बता कर सबसे पहले दिखाया जा सकता है। ऐसा करने से ई-पोर्टल दूसरे निर्माताओं को पीछे कर देता है और उपभोक्ता को घटिया माल परोस देता है। आपको ध्यान होगा ओला या उबर के ड्राइवर बताते हैं कि कंपनी द्वारा अपनी ही गाडि.यों को अधिक काम दिया जाता है। जो गाडि.यां दूसरे से अनुबंध पर ली गई हैं, उन्हें तुलना में काम कम दिया जाता है। इसी प्रकार का कार्य ये ई-पोर्टल छिपे ढंग से करते हैं। इन्होंने 'शेल' कंपनियां बना रखी हैं। आपको लगेगा कि आप किसी स्वतंत्र निर्माता को ऑर्डर दे रहे हैं। लेकिन वह शेल कंपनी वापस उस ऑर्डर को अपनी ही कखग कंपनी को स्थानांतरित कर देगी। जैसे अक्सर व्यापारी अपने भाई भतीजे के नाम से ऑर्डर ले लेते हैं। इस दिशा में यूरोपियन यूनियन ने कानून बनाया है कि ई-पोर्टल को अपने स्वयं के माल एवं दूसरों के माल का बराबर डिस्प्ले करना होगा। अमेरिका ने प्रस्ताव रखा है कि ई-पोर्टल के लिए अपनी स्वयं की कंपनी बनाना ही निषिद्ध होगा। कोई भी ई-पोर्टल अपनी कंपनी बना ही नहीं सकता। हमें भी अमेरिकी प्रस्ताव को अपनाना चाहिए।

इसी से संबंधित मसला है आत्मनिर्भर भारत का। सरकार चाहती है कि देश में बने माल की बिक्री अधिक हो, लेकिन ई-पोर्टल अक्सर विदेशी माल का प्रदर्शन ज्यादा करते हैं। इसलिए भारत सरकार ने प्रस्ताव रखा है कि विदेशी माल को डिस्प्ले करते समय पोर्टल को देश में बने माल को भी साथ-साथ डिस्प्ले करना होगा। सरकार का यह कदम सही दिशा में है। ई-पोर्टल द्वारा उपभोक्ता को मैनिपुलेट किया जाता है। जैसे आपने पूर्व में जिस माल को सर्च किया है उसे चिह्नित करके आपको

वह माल ई-पोर्टल विशेषकर परोसते हैं, जिससे कि उसे खरीदने में आपकी रुचि बन जाए, चाहे आपको उसकी अभी आवश्यकता न हो। इसे कस्टमाइजेशन कहा जाता है। जैसे आपकी इच्छा है कि नया मोबाइल फोन खरीदें। आपने सर्च किया, लेकिन आपके पास खरीदने को पैसा नहीं था। ऐसे में ई-पोर्टल आपको बार-बार वही मोबाइल फोन दिखाएगा। एक क्षण के लिए भी आप फिसले तो ऑर्डर डाल देंगे, भले ही आपके पास पेमेंट करने की ताकत नहीं है। आप अनायास ही ई-पोर्टल के चक्रव्यूह में फंस जाएंगे। इसी क्रम में ई-पोर्टल द्वारा माल की एक्सपायरी डेट को बताए बिना भी माल बेच दिया जाता है। सरसों का तेल 2 माह में एक्सपायर कर रहा हो तो यह बात आपको डिलिवरी के बाद ही पता लगेगी। इसलिए एक्सपायरी डेट बताना भी अनिवार्य कर देना चाहिए। इन समस्याओं के लिए सरकार ने जो नियम प्रस्तावित किए हैं, वे सही दिशा में हैं और इन्हें लागू किया ही जाना चाहिए। परंतु समस्याओं को देखते हुए यह अपर्याप्त है। बड़े ई-पोर्टलों को, असल में सूचना के अधिकार कानून के अंतर्गत ले आना चाहिए। वर्तमान में सूचना का अधिकार मुख्यतः सरकारी उपक्रमों पर ही लागू होता है। लेकिन जहां पर बुनियादी संरचना आदि में सरकार से अनुबंध करके निजी कंपनियां काम कर रही हैं, उन्हें सूचना के अधिकार में शामिल कर दिया गया है। जैसे उत्तराखंड में जल विद्युत परियोजनाओं पर सूचना का अधिकार लागू कर दिया गया है। इसी प्रकार सरकार को चाहिए कि ई-पोर्टल को सूचना के अधिकार के अंतर्गत ले आए। तब जनता उनसे पूछ सकेगी कि यदि उन्होंने अमुक कंपनी का सरसों का तेल 300 रुपये प्रति किलो में बेचने को दिखाया तो दूसरे विक्रेताओं से सरसों के तेल को किस मूल्य पर खरीदा और किस मूल्य पर उसे बेचा जा रहा है, यह सूचना उपलब्ध हो जाने से ई-पोर्टलों की धांधली पर अंकुश लगेगा। निश्चित रूप से ई-पोर्टल इस प्रस्ताव पर भड़केंगे। लेकिन सरकार का उद्देश्य जनहित है। ई-पोर्टल को सूचना गुप्त रखने का अधिकार देने से ई-पोर्टल को प्रॉफिट होगा, उसका विस्तार होगा। ई-पोर्टल को सूचना के अधिकार में लाने से उसकी धांधली बंद होगी और इससे जनहित होगा। मेरे आकलन में सूचना के अधिकार में लाने से जनहित ज्यादा हासिल होगा। इसके साथ ही सरकार को किसी भी ई-पोर्टल द्वारा जोड़े जाने वाले ग्राहकों की अधिकतम संख्या भी निर्धारित कर देनी चाहिए। जैसे यदि देश में 10 करोड़ व्यक्ति ई-पोर्टलों पर माल खरीदते हैं तो सरकार नियम बना सकती है कि कोई भी ई-पोर्टल तीन करोड़ से अधिक ग्राहकों को नहीं जोड़ सकता। इससे अधिक ग्राहकों की संख्या वाले ई-पोर्टल को दो-तीन हिस्सों में विभाजित कर देना चाहिए। ऐसा करने से भारत के अपने छोटे ई-पोर्टलों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा और उनकी आपसी प्रतिस्पर्धा से सभी ई-पोर्टलों की धांधली पर स्वयं अंकुश लग जाएगा।

सॉरी कहे, गिले शिकवे दूर करे

डॉ अश्वनी कुमार मल्होत्रा

आप अपने आप में मगन अपने वाहन से,कोई गीत गुनगुनाते हुए जा रहे है की अचानक से कोई अन्य वाहन गलत रास्ते से सामने आ जाता है और आपके वाहन से उसकी टक्कर हो जाती है । आपके नए वाहन को एक तरफ से रगड़ लग जाती है और रंग उतर जाता है तो आप कि क्या प्रतिक्रिया होगी? आप गाली गलोच करेंगे, लड़ाई करेंगे या पुलिस में जाने की धमकी देंगे? दुसरे वाहन का चालक आप से बार बार अपनी गलती कि माफ़ी मांगता है और आपके नुक्सान की भरपाई के लिए भी तैयार है, पर नहीं साहब आप तो गुस्से से इतने भरे है कि आप तो पुलिस में शिकायत करेंगे और उसे सबक सिखायेंगे। एक अन्य परिस्थिति को लीजिये। आप मंदिर में माथा टेकने गए है। वहां पर भीड़ में आपकी जेब कट जाती है और वो चोर पकड़ा जाता है। वो आपको आपका पर्स लौटा देता है और आपसे माफ़ी मांगता है, गिड़गिड़ाता है, कहता है कि आयन्दा से वो चोरी नहीं करेगा तो आप क्या करेंगे? भीड़ में से कई लोग उसे मारते है और कहते है कि इस चोर को सबक सिखाने की जरूरत है, इसे पुलिस में दे दो। आपके पर्स में से कुछ गायब नहीं हुआ तो इस परिस्थिति में आप क्या करेंगे? आये दिन हम ऐसी परिस्तिथि से गुजरते है, जिसमे किसी की गलती से हमारा किसी न किसी रूप में नुक्सान हो जाता है तो हमारा गुस्से में आना स्वाभाविक है और हम उसे सबक सिखाना चाहते है और कई बार हिंसा पर उतर जाते है। हर गलती और गुनाह के लिए न्यायिक प्रक्रिया है जिसमे उचित दंड देने का प्रावधान है जो गुनाह के अनुसार वाजिब जुरमाना और सज़ा या जेल की अवधि के रूप में होती है। पहली गलती पर, उम्र और परिस्तिथि को देखते हुए कई बार पुलिस और न्ययाधीश चेतावनी दे कर सज़ा को माफ़ कर देते है। अब इस स्तिथि में गुनाहगार या तो सुधर जाता है या फिर से गुनाह करने लगता है?

पर क्या माफ़ करना मुनासिब है?

क्या किसी को हृदय से माफ़ करना आसान है?

बचपन में हम अक्सर शरारते करते जिसमे कितनी बार गलतियां करते और हर बार पकडे जाने पर कुछ देर डांटने के बाद माँ माफ़ कर देती। पर वो बचपन था और माफ़ करने वाली माँ होती!

पर क्या माफ़ करना इतना आसान होता है?

एक बार हमारे किसी सम्बन्धी ने मेरे पिताजी से काफी बड़ी रकम ये कहकर उधार में ली की उनको कुछ जरूरी मार्किट में पेमेंट करनी है और जैसे ही उनको बाजार से पेमेंट मिलेगी वो वापिस कर देंगे। पिताजी ने अपनी बचत से जोड़े हुए पैसो, जो उन्होंने अपने बुढ़ापे के लिए रखे थे, ?फ़ डी तोड़कर रुपये दे दिए, पर वो साहिबान तय समय में रुपये न लौटा पाए। पिताजी ने एक दो बार इशारों से जब मांगे तो काफी देर बाद भी जब वो रुपये न लौटा पाए तो पिताजी परेशां रहने लगे, रातों को नींद नहीं आती। आखिर उन्होंने बड़ी मेहनत से रुपये भविष्ये के लिए जोड़े थे! पिताजी को दुःख तो बहुत हुआ पर रिश्ता था तो कर भी क्या सकते थे, पर हमारा मिलना जुलना बंद हो गया।कुछ साल बाद वो आये और कुछ रकम लौटा दी। दर्द भरी आवाज़ में बोले, बिज़नेस में बहुत घाटा हो गया था, रोटी के भी लाले पड़ गए थे, मैं और पैसे का इंतज़ाम नहीं कर पायूँगा, मुझे माफ़ कर दे । और वो पिताजी के पैरो में गिर गए। तब पिताजी ने उन्हें सच्चे मन से माफ़ कर दिया। पिताजी के माफ़ करने से रिश्तो में आई सारी खटास दूर हो गई।आज विश्व क्षमा दिवस है। किसी से माफ़ी मांग कर और माफ़ करके तो देखे। सारे गीले शिकवे दूर हो जायेगे और रिश्तो में और मिठास आएगी।

अवध को पहला ब्रेक बादशाह अकबर ने दिया

कृष्ण प्रताप सिंह

अवध का पुराना नाम कोशल है। इसीलिए अयोध्या के पुराने राजाओं को 'कोशलाधीश' कहा जाता है। स्वाभाविक ही कोशल से अवध तक की इसकी लंबी यात्रा के अनेक पड़ाव हैं। इतने कि कोई सबकी चर्चा करने चले तो समय कम पड़ जाए। अलबत्ता, अवध के रूप में इसे पहला ब्रेक मुगल बादशाह अकबर के वक्त 1580 में मिला, जब उन्होंने इसे अवध नाम से ही अपनी सल्तनत का सूबा बनाया। दरअसल, उन्होंने पांच नवंबर, 1556 को पानीपत के ऐतिहासिक मैदान में शेरशाह सूरी के वंशज आदिलशाह के वजीर-ए-आजम कर्नल हेमू को शिकस्त दी तो मुगल सल्तनत की नींव दोबारा मजबूत करके ही नहीं रह गए, बंगाल से सिंध व काबुल से अहमदनगर तक अपना परचम फहराया। इसके बाद बेहतर शासन व्यवस्था के लिए उन्होंने सल्तनत को सूबों में बांटा तो उत्तरी क्षेत्र के सूबे का नाम अवध रखा। 1602 तक उनके सूबों की संख्या 12 से बढ़कर 18 हो गई थी और अवध के अलावा अन्य सूबों के नाम थे : काबुल, लाहौर, मुल्तान, दिल्ली, अकबराबाद (आगरा), इलाहाबाद, अजमेर, गुजरात, मालवा, अजीमाबाद (बिहार), बंगाल, खानदेश, बरार, अहमदनगर, उड़ीसा, कश्मीर और सिंध। उन दिनों के हालात में उनका अवध को सूबा बनाना एक तरह से इस अंचल को राजनीतिक स्थायित्व प्रदान करना था। इतिहासविद प्रो हेरम्ब चतुर्वेदी के अनुसार इसके कई भू राजनीतिक और व्यापारिक कारण थे। यह और बात है कि सूबा-ए-अवध को साढ़े तीन सौ साल की उम्र भी नसीब नहीं हुई। 1902 में ईस्ट इंडिया कंपनी की गोरी हुकूमत ने इसे आगरा के साथ मिलाकर 'यूनाइटेड प्रॉविंसेज ऑफ आगरा ऐंड अवध' में बदल दिया, जो आजादी के बाद उत्तर प्रदेश बन गया।बहरहाल, अकबर ने अपने सूबों में सूबेदारों की नियुक्ति कर उनकी मार्फत हुकूमत की जो शुरुआत की, वह औरंगजेब के वक्त तक सफलतापूर्वक चलती रही। 1586 से 1594 की छोटी-सी अवधि को छोड़कर, जब अकबर ने अमीरों द्वारा शासन की व्यवस्था

लागू कर दी थी। तब उन्होंने फतेह अली व कासिम खान को अवध का अमीर नियुक्त किया था। लेकिन कई कारणों से अमीरों की यह व्यवस्था लंबी उम्र नहीं पा सकी, जिसके चलते फिर सूबेदार नियुक्त किए जाने लगे। कई बार उनको नाजिम भी कहा जाता था। औरंगजेब के बाद लगातार कमजोर पड़ती जा रही मुगल सल्तनत तेरहवें बादशाह मुहम्मदशाह 'रंगीला' (1719-1748) के वक्त तक अपना इकबाल खो बैठी तो उसे 1719 में नियुक्त अवध के सूबेदार गिरधरबहादुर नागर को तीन साल बाद ही हटाकर मालवा भेज देना और सआदत अली खां प्रथम के अहसानों का सिला देने के लिए उन्हें अवध का सूबेदार बनाना पड़ा। सआदत ने अपनी स्थिति मजबूत होते ही 1732 में अवध को अपनी स्वतंत्र सल्तनत घोषित कर दिया, जिसके बाद आया नवाबों का राज नाना प्रकार की उथल-पुथलों के बीच तेरह पीढ़ियों तक जारी रहा। इस दौरान अवध भारतीय और ईरानी कला और संस्कृतियों के दुर्लभ समन्वय का साक्षी तो बना ही, उस दौर का भी गवाह बना, जिसकी बाबत प्रेमचन्द ने अपनी 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में लिखा है : छोटे-बड़े, गरीब-अमीर सभी विलासिता में डूबे हुए थे।ष्ठजीवन के प्रत्येक विभाग में आमोद-प्रमोद का प्राधान्य था।ष्ठसंसार में क्या हो रहा है, इसकी किसी को खबर न थी।'

आगे चलकर अवध को इस बेखबरी की कीमत अपने अस्तित्व से चुकानी पड़ी। 23 अक्टूबर, 1764 को बक्सर की ऐतिहासिक लड़ाई जीतने के बाद सूबे में शनैः-शनैः अपना दखल बढ़ाती रही ईस्ट इंडिया कंपनी ने 11 फरवरी, 1856 को नवाब वाजिदअली शाह को अपदस्थ कर न सिर्फ उनका राज्य हड़प लिया, बल्कि उन्हें कलकत्ता स्थित मटियाबुर्ज निर्वासित कर दिया। इसके अगले ही साल, उनकी बेगम हजरतमहल ने पांच जुलाई, 1857 को अपने अवयस्क बेटे बिरजिस कदर के सिर पर नवाबी का ताज रखवाकर बागी सेनाओं व तालुकेदारों की मदद से कंपनी की सेनाओं को इस कदर खदेड़ा कि उसकी सत्ता लखनऊ की रेजिडेंसी तक ही सीमित रह गई। लेकिन बिरजिस कदर की हुकूमत लंबी उम्र नहीं पा सकी और कंपनी के भीषण प्रत्याक्रमण के बाद 15 मार्च, 1858 को मुंह अंधेरे ही उन्हें लखनऊ से भागकर नेपाल में शरण लेनी पड़ी। सूबे में इसके बाद से आजादी तक का इतिहास अंग्रेज ही लिखते रहे।

देव नगरी देवघर छह बार आए थे स्वामी विवेकानंद

सरिता कुमारी

स्वामी विवेकानंद के संयुक्त बिहार का संताल सहित दक्षिणी छोटानागपुर से गहरा नाता रहा है जो बाद में झारखंड बना। इसका प्रमाण उनके देवघर दौरे से मिलता है। वे देवभूमि देवघर छह बार आए थे। वर्ष 1922 में स्वामी जी की देवघर यात्राओं पर शोध करने वाले झारखंड शोध संस्थान के सचिव उमेश कुमार बताते हैं कि स्वामी जी पहली बार वर्ष 1887 में बेलूर मठ से देवघर पहुंचे थे। यहां वे अपने शिष्य प्रियनाथ मुखोपाध्याय की पुरनदाहा स्थित कोठी आनंद कुटीर में ठहरे हुए थे। इस यात्रा के दौरान स्वामी जी ने बाबा बैद्यनाथ की पूजा अर्चना की थी। वर्ष 1889 के जून महीने में स्वामी जी देवघर आना था लेकिन इसके पूर्व सिमुलतल्ला चले गए थे। उन दिनों तेज पड़ रही गर्मी की वजह से उनकी तबीयत खराब हो गई थी। जिसकी जानकारी उन्होंने तब के शुभचिंतक रहे बलराम बोस को चिट्ठी लिखकर दी थी। इसी साल स्वामी जी दोबारा देवघर के शिष्य प्रियनाथ की कोठी पहुंचे थे। जहां वे तीन-चार दिन तक रूके थे। हर शाम डढ़वा नदी के किनारे टहलने जाते थे। एक दिन उन्होंने देखा कि एक बच्चे जूता का फीता खुला हुआ था। बच्चा बार-बार प्रयास तो कर रहा था लेकिन जूते फीता बांध नहीं पा रहा था। जिसे देख स्वामी जी ने खुद फीता बांध दी थी। तीसरी बार स्वामी जी 1890 में दे वघर पहुंचे। तब वे पुरनदाहा म ा ` ं निवास र ह ` का र वयोवृद्ध

ब्रह्मचार्य ऋषि राजनारायण बसु से मिलने गए थे। चौथी बार देवघर यात्रा की जानकारी उनके द्वारा एक बंगाली परिचिता मृणालिनी बसु को लिखे पत्र से पता मिलता है। 1898 में उनके द्वारा लिखे गए इस पत्र में स्वामी जी ने पारंपरिक रीति-रिवाज, नारी दशा, विवाह-पुनर्विवाह तथा अन्य सामाजिक विषयों पर चर्चा की है। उनकी पांचवीं देवघर यात्रा 19 दिसंबर 1898 हुई थी। इस बार भी वे अपने शिष्य प्रियनाथ मुखोपाध्याय के आनंद कुटीर में ही ठहरे थे। इस यात्रा के दौरान जब वे डढ़वा नदी भ्रमण पर निकले थे तब पेचिस से ग्रसित व्यक्ति को देखा जहां अपने गुरुभाई स्वामी निरंजनानंद की सहायता से उसे उठाकर आनंद कुटीर ले लेकर गए। जहां उस व्यक्ति की उन्होंने खुद देखभाल की थी। इसी यात्रा के दौरान आनंद कुटीर में बंगाल के जिलाधीश तारकनाथ राय से मुलाकात हुई थी। वे तीन फरवरी 1899 को स्वामी सारदानंद और स्वामी सदानंद के साथ बेलूर मठ लौटे थे। स्वामी जी की छठी व अंतिम देवघर यात्रा 23 दिसंबर 1900 में हुई थी। यह जिक्र भी मृणालिनी बसु को लिखित पत्र में मिलता है। इस दौरान उनकी मुलाकात मधुपुर रेलवे स्टेशन में पंडा हरिचरण मिश्र से हुई थी। इसके बाद उन्होंने अंग्रेजी में लिखा था- स्वामी विवेकानंद एंड हिज पार्टी विजिटेड बैद्यनाथ विद् पंडा। ही इज वेरी गुड एंड ऑबलाइजिंग पंडा। ईफ एनी ऑफ अस केम हेयर आई रिक्वेस्ट देम टू अपॉइंट हिम। इस हस्तलेख की प्रमाणिकता बेलूर मठ से भी पुष्ट है। यही वजह है कि हरिचरण मिश्र और उनके वंशजों को रामकृष्ण विद्यापीठ देवघर से काफी सम्मान मिला। वर्तमान समय में देवघर की धरती पर रामकृष्ण मिशन विद्यापीठ के जरिए युवाओं को तराश कर देश का भविष्य गढ़ा जा रहा है।

महंगाई की मार से बेहाल हैं लोग, मोदी सरकार को जल्द ही कुछ करना चाहिए

रमेश सर्राफ धमोरा

कोरोना महामारी के प्रकोप के बीच राहत देने के लिए केन्द्र सरकार ने पहले 20 लाख करोड़ का तथा गत दिनों सात लाख करोड़ रुपयों के राहत पैकेज की घोषणा की थी। मगर सरकार की इन घोषणाओं का भी आम आदमी को विशेष लाभ नहीं मिल पा रहा है। केंद्र सरकार ने हाल ही में घरेलू रसोई गैस सिलेंडरों की कीमतों में बढ़ोतरी करके महंगाई से बेहाल देश की जनता को एक और झटका दिया है। पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों से देश का आम जन पहले से ही पूरी तरह पिसा हुआ है। ऊपर से घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी करना आम आदमी के लिए बहुत ही दुखदाई है। देश में आज पेट्रोल और डीजल एक सौ रुपए से अधिक प्रति लीटर की दर पर बिक रहे हैं। ऐसे में रसोई गैस की कीमत बढ़ाना बहुत बरा फैसला है। पिछले चौदह महीनों से लोगों को घरेलू गैस सिलेंडर की सब्सिडी मिलना भी बंद है। पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में बढ़ोतरी के बाबत पिछले दिनों पेट्रोलियम एवं गैस मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एक बयान भी दिया था कि कोरोना संकट के दौरान पेट्रोलियम पदार्थों के दामों को कम करना मुनासिब नहीं है। प्रधान का यह बयान उन मतदाताओं के साथ सरासर अन्याय है। जिन्होंने भाजपा को गरीबों की हितैषी पार्टी मानकर लगातार दो बार भारी बहुमत से केंद्र में सरकार बनाने के लिए समर्थन दिया था। देश की जनता पिछले सवा साल से लगातार कोरोना संक्रमण को झेल रही है। इस दौरान अधिकांश समय देश में लॉकडाउन लगने से लोगों को घरों में ही रहना पड़ा है। ऐसे में काम धंधे बंद होने से आम आदमी के रोजगार के अवसर समाप्त होने से उनके आय के स्त्रोत बंद हो गये। जिससे आम आदमी की कमर टूट चुकी है। दिनों दिन बढ़ती महंगाई और लगातार कम होते काम के अवसर ने देश की जनता की कमर तोड़ दी है। पेट्रोलियम पदार्थों के अलावा खाद्य पदार्थों की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही है। खाने का तेल दुगुनी दर पर बिक रहा है।कोरोना महामारी के दौरान केंद्र सरकार को पेट्रोलियम पदार्थों पर कस्टम एंड एक्साइज ड्यूटी से खूब कमाई हुई है। सरकार को अप्रत्यक्ष कर से आने वाला राजस्व बढ़कर 4.51 लाख करोड़ रुपए हो गया है। वित्तीय वर्ष 20-21 में पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर 37 हजार 806.96 करोड़ रुपए कस्टम ड्यूटी वसूली गई। वहीं देश में इनके उत्पाद पर सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी से 4.13 लाख करोड़ रुपए की कमाई हुई। 2019-20 में पेट्रोलियम पदार्थों के आयात पर सरकार को कस्टम ड्यूटी के रूप में 46 हजार करोड़ रुपए का राजस्व मिला था। वहीं देश में इनके उत्पाद पर सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी से 2.42 लाख करोड़ रुपए की वसूली हुई। अब अगर दोनों तरह की टैक्स वसूली को देखें तो सरकारी खजाने में 2019-20 में कुल 2.88 लाख करोड़ रुपए जमा हुए। महंगे पेट्रोल-डीजल से केवल आम आदमी ही नहीं बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था की हालत बिगड़ गई है। जो पहले से ही कोरोना महामारी की मार झेल रही है। केन्द्र सरकार को तत्काल पेट्रोल-डीजल पर टैक्स घटाकर लोगों को महंगाई से राहत देनी चाहिये।

केन्द्र सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक कोरोना संक्रमण के बावजूद भी सरकार का कर संग्रहण लगातार बढ़ता जा रहा है। सरकार के नुमाइंदों का कहना है कि देश की जनता को कोरोना वैक्सीन के टीके मुफ्त में लगाए जा रहे हैं। जिन पर होने वाले खर्च की भरपाई के लिए सरकार को टैक्स में बढ़ोतरी करनी पड़ रही है। मगर सरकारी सूत्रों के अनुसार ही देश के लोगों के टीकाकरण पर अधिकतम 40 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे। जबकि सरकार ने कोरोना संक्रमण के बाद बढ़ाए गए टैक्स से कई लाख करोड़ रुपए का राजस्व संग्रहण किया है।

केन्द्र सरकार ने पहले 20 लाख करोड़ का तथा गत दिनों सात लाख करोड़ रुपयों के राहत पैकेज की घोषणा की थी। मगर सरकार की इन घोषणाओं का भी आम आदमी को विशेष लाभ नहीं मिल पा रहा है। पैसों के अभाव में लोगों से बिजली के बिल जमा नहीं हो पा रहे हैं। जिन्होंने बैंकों से लोन ले रखा है उनकी किस्तों की भरपाई नहीं हो पा रही है। ऊपर से निजी स्कूल वाले भी बिना पढ़ाई बच्चों से जबरन फीस वसूल रहे हैं। जो गरीबों पर सीधा कुठाराघात है। कोरोना संक्रमण के दौरान बीमार हुए लोगों को उपचार पर बहुत अधिक पैसा खर्च करना पड़ा है। जिसकी भरपाई का लोगों को कोई रास्ता नहीं दिख रहा है। लोग कर्ज में डूबे हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद कोरोना से मरने वाले लोगों को सरकारी स्तर पर कुछ मुआवजा मिलने की संभावनाएं बनी हैं। मगर अधिकांश लोगों की मृत्यु प्रमाण पत्र पर कोरोना से मौत होना दर्ज ही नहीं किया गया है। ऐसे में उन लोगों को मुआवजा मिलने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। यदि केन्द्र सरकार चाहे तो अस्पतालों को निर्देशित कर सकती है कि कोरोना संक्रमण के दौरान जिनकी वास्तव में कोरोना से मौत हुई है। उनको कोरोना से मौत का प्रमाण मृत्यु पत्र दिया जाये ताकि उनको भी मुआवजा मिल सके।देश में कोरोना की प्रथम लहर के दौरान ही सरकार ने रेल सेवा पूरी तरह से बंद कर दी थी। कई महीनों के बाद सरकार ने कुछ रेलगाड़िया प्रारंभ की हैं। जिनमें सफर करने के लिए लोगों को पहले से अधिक किराया चुकाना पड़ रहा है। केन्द्र सरकार वर्तमान में संचालित सभी रेलगाड़ियों को स्पेशल ट्रेन के रूप में चला रही है। जिसका किराया सामान्य से काफी अधिक होता है। चूंकि रेलगाड़ियों में अमूमन आम आदमी यात्रा करता है जो पहले ही कोरोना के कारण आर्थिक मार से परेशान है। ऐसी स्थिति में उससे रेल भाड़े के रूप में भी अधिक राशि वसूल करना केन्द्र सरकार का न्याय संगत फैसला नहीं है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा कहते हैं कि मैं दिन-रात देश की जनता की उननति की बातें सोचता हूं व करने का प्रयास करता हूं। मगर ना जाने वह मौजूदा स्थिति से क्यों अनजान बने हुए हैं। देश का आम आदमी, गरीब, मजदूर, किसान वर्ग को ऐसा कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा है जिससे आगे चलकर वह अपनी कोरोना आने से पहले की जिंदगी बसर कर सके।